(ii) वृहत् विचारधारा

इस विचारधारा के अनुरूप लोक प्रशासन के स्वरूप के तीनों शाखा व्यवस्थित होते हैं इसका समर्थन कुछ विद्वान्, L.D. White, फिफनर, वीलो, डिमाक आदि विचारक करते हैं। वीलो का मानना है कि लोक प्रशासन का संबंध सरकार के तीन शाखा विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका तथा इनके आंतरिक संबद्धता से साथ है।

लोक प्रशासन के महत्त्व

लोक प्रशासन एक सार्वभौमिक और सार्वकालिक अवधारणा है अर्थात् समय या स्थान या काल में अपना विशिष्ट महत्त्व है। वर्तमान प्रशासनिक राज्य में लोक प्रशासन के महत्त्व को शब्दों में परिभाषित करना संभव नहीं है अर्थात् वर्तमान में यह इतना अधिक बढ़ गया है कि मनुष्य के जीवन के प्रत्येक पक्ष को प्रभावित करता है यह मनुष्य के गर्भ से लेकर मृत्यु तक तमाम क्रियाकलापों को प्रभावित करता है। जैसे कि Harman Finer का मानना है कि राज्य सर्वत्र है और यह शायद ही कोई स्थान छोड़ता है। Henry Fayol का मानना था कि प्रशासनिक प्रक्रिया सर्वत्र है यह मनुष्य के सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक जीवन पर इतना अधिक प्रभावी है कि प्रशासन के बगैर मानवीय जीवन की संकल्पना संभव नहीं है।

प्रशासन के महत्त्व को सही ढंग से समझने के लिए यह आवश्यक है कि इसे निम्न वर्गों में बाँटकर अध्ययन किया जाय।

(i) व्यक्ति के संदर्भ में लोक प्रशासन का महत्त्व

वर्तमान समय में व्यक्ति प्रशासन पर पूरी तरह आश्रित है व्यक्ति के पालन-पोषण से लेकर अंतिम तक समस्त क्रियाकलापों में लोक प्रशासन का प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष उपस्थिति रहती है। यह व्यक्ति को बुनियादी सेवा प्रदान करता है और उसके समृद्धि और विकास में बराबर की भागीदारी निभाता है।

(ii) समाज के संदर्भ में

स्थापित समाज आत्मसंगी समाज होता है जो अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम होता परंतु वर्तमान समाज पूरी तरह प्रशासन पर आश्रित है जैसा कि आज कहा जाता है कि यदि हमारी व्यवस्था ठीक है तो वह मुख्यतः प्रशासन के कारण ही है।

(iii) विकासशील देशों के संदर्भ में

लोक प्रशासन विकसित व सभी देशों के शासन प्रणाली में आवश्यक है परंतु विकासशील देशों में इसका महत्व और अधिक है इसे आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय का उपकरण माना जाता है।

(iv) सामान्य समाज के रक्षक के रूप में,

लोक प्रशासन सामाजिक परिवर्तन का उपकरण माना जाता है इस समाज और सभ्यता की रक्षा जिम्मेदारी भी है यह सामाजिक कुरीतियों को मिटाकर समाज को बदलता है और स्थायित्व स्थापित करता है साथ ही समाज को आधुनिकीकरण का पहल करता है।

(v) आतंकवाद, संगठित अपराध जैसे जटिल चुनौतियों के निपटने में लोक प्रशासन का काफी महत्व है यह समाज को सशक्त तथा समाज में अमन-चैन बनाये रखता है तथा समाज व संस्कृति का रक्षा करता है।

(vi) अध्ययन विषय के रूप में लोक प्रशासन की भूमिका उल्लेखनीय है। लोक प्रशासन का सामाजिक उपयोगिता अधिक होने के कारण अध्ययन के विषय रूप में इसका बहुत अधिक महत्व है इसके बावजूद यह सामाजिक व्यावहारिक विज्ञानों में अग्रणी विषय है इसे सामाजिक परिवर्तन के उपकरण के रूप में देखा जाता है और इसके साथ ही सामाजिक व्यावहारिक विज्ञान इसके सहयोग हेतु इस पर आश्रित है इस आलोक में लोक प्रशासन को एक बहुत अधिक संभावनापूर्ण बौद्धिक क्षेत्र के रूप में देखा जा सकता है।